मंथन समूह सफलता की कहानी...

---प्रेरणादायक किसानों की सफल गाथाएं---

महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए ग्राम कालापीपल में ईडीआई के माध्यम से स्वरोजगार हेतु लगभग 35 महिलाओं को दिया गया सिलाई प्रशिक्षण

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर 27 नवम्बर को ग्राम कालापीपल में ईडीआई के माध्यम से नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिया गया। महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाया जाएगा। जिसमें स्वरोजगार हेतु विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधि द्वारा स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण दिया गया। मार्केटिंग एवं फैशन डिजाइन पर विशेष रूप से चर्चा की गई। सभी वर्ग की महिलाओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया। भविष्य में के इसमें उद्योग को बढ़ावा देने हेतु कार्य किया जावेगा। अब इन्हीं

प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को एक सिलाई उद्योग खोलकर रोजगार दिया जाएगा।

ग्राम कालापीपल की महिलाओं को सलवार सूट सहित महिलाओं की प्रत्येक पोशाक की सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ईडीई द्वारा संचालित हो रही स्वरोजगार योजना का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार दिलाकर ग्राम कालापीपल को आत्मनिर्भर बनाना है चार-चार घंटे के 2 बैच लगाए जा रहे हैं, जिसमें सलवार-सूट सिलाई की बारीकियां सिखाई जा रही है।

ईडीई द्वारा 200 महिलाओं को सिलाई सिखाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। दरअसल ईडीई आने वाले महीनों में 200 महिलाओं को प्रशिक्षण देकर सक्षम बनाएगा। उसके बाद ग्राम कालापीपल में ही एक पेरिकोट उद्योग खोला जाएगा। जिसके अन्तर्गत 200 सिलाई मशीन लगाकर उन प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा। जो कि ईडीई के माध्यम सेकाम करके अपनी आजीविका चला सकेगी। वर्तमान प्रशिक्षण दो पारी में हो रहा संचालित 35 मशीनें लगाकर 2 पारी में कुल 35 महिलाएं प्रतिदिन प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। जो एक माह में सभी प्रकार की पोशाक बनाना सीख जाती हैं। ग्राम कालापीपल में ही एक कपड़ा सिलाई उद्योग खोलकर इन 300 महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा। आगे ज्यों ही महिलाओं का पंजीकरण होगा तो उन्हें भी प्रशिक्षण देकर इनमें शामिल कर लिया जाएगा और उद्योग में बढ़ोतरी की जाएगी। जिससे ग्राम कालापीपल की महिलाएंआत्मनिर्भर बनेंगी।

रोजगार

मंथन पॉलीटेक्निक कॉलेज

इंदौर-भोपाल हाईवे पुलिस चौकी के पास अमलाहा सीहोर, (म.प्र.)

(एआईसीटीई, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित)

पॉलिटेक्निक (डिप्लोमा इंजीनियरिंग)

इलेक्ट्रिकल (इंजी.) (E.E.)
सिविल (इंजी.) (C.E.)
मैकेनिकल (इंजी.) (M.E.)
कंप्यूटर साइंस (इंजी.) (C.S.E.)
इलेक्ट्रॉनिक एवं टेली कम्यूनिकेशन (इंजी.) (E.C.E.)

- : विशेषताएं :-

- शत् प्रतिशत रोजगार के सुनहरे अवसर।
- सुव्यवस्थित वर्कशॉप तथा आधुनिक मशीनों पर कार्य करने का अवसर।
- उत्तम गुणवत्ता का प्रशिक्षण।
- छात्रों को भविष्य निर्धारित करने का मौका।
- न्यूनतम शुल्क पर छात्रावास की सुविधा।

न्यूनतम योग्यता: 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण

छात्रवृत्ति

- अल्पसंख्यक/अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं की सुविधा।
- अल्पसंख्यक वर्ग की छात्रवृत्ति के लिए 10वी/12वीं में 50 प्रतिशत अंक आवश्यक।

प्रदेश की एकमात्र संस्था जो प्रशिक्षण के उपरांत 100% रोजगार प्रदान करती है

अपना उज्जवल भविष्य निर्धारण करने के लिए सम्पर्क करें: मंथन पॉलिटेक्निक कॉलेज-मो.6232009300

मंथन के अधिकारियों द्वारा फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी मिलने से किसान भरत बलराम ने लागत से अधिक लिया मुनाफा

कपास विश्व और भारत की एक बहुत ही महत्वपूर्ण रेशे वाली और व्यापारिक फसल है। कपास की फसल को पानी की ज्यादा जरूरत नहीं होती कपास सब से ज्यादा उगाई जाने वाली खरीफ फसल है। कपास को रेशों का राजा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कपास को दुनिया की एक प्रमुख नकदी फसल के साथ-साथ दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण फाइबर उत्पादक फसल माना जाता है। यह अपने मूल्यवान उत्पादों, के द्वारा भारी विदेशी मुद्रा कमाता है। यह पशुओं को खिलाए जाने वाले प्रोटीन का एक प्रमुख स्रोत है। भारत में कपास का उत्पादन 122 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में किया जाता है।

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के अन्तर्गत ब्लॉक निवाली ग्राम कानपुरी के रहने वाले प्रगतिशील किसान श्री भरत बलराम मुख्य रूप से अन्य फसलों दलहन कपास की खेती करते हैं। किसान भरत बलराम जी अपने बाप-दादाओं की पुरानी पद्धति से खेती करते आ रहे थे। उनकी परेशानी यह थी कि कीट तथा रोगों की जानकारी न होने से पूर्ण रूप से समय, श्रम, पानी खाद का प्रयोग करने के बाद भी अच्छी फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा था। तभी उनके किसान मित्र से मालुम हुआ कि मंथन समाज सेवा समिति से सम्पर्क करना चाहिए। बड़वानी जिले में बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करते हैं। प्राप्त जानकारी से प्रेरित होकर उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी व मंथन समाज सेवा समिति के क्षेत्राधिकारी भुलीराम जी से मुलाकात कर सहायता का अनुरोध किया। समिति द्वारा उन्हें कपास के उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खेत तैयार करने, मशीनीकृत बुवाई करने व सही मात्रा में खाद, दवाईयां तथा बीजोपचार कर बुवाई करने और खरपतवार नाशक दवाईयों का उपयोग करवाया गया। बायोटेक हब प्रोजेक्ट के तहत समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह दी गई। जिसका सही विधि द्वारा उपयोग करवाया गया।

भरत बलराम जी ने फसल का प्रबंधन बहुत अच्छा किया। इस बार तकनीकी रूप से कपास की खेती की। भरत बलराम जी की मेहनत सफल हुई। नई तकनीक का उपयोग करके किसान ने लागत से अधिक कपास का भरपूर उत्पादन लिया। संस्था द्वारा बड़वानी जिले के अन्य किसानों को भी खेत में लगातार सुधार व कम लागत में अधिक मुनाफा की खेती करवाई गई। किसान द्वारा भी ग्राम के अन्य किसानों को भी तकनीकी रूप से कपास तथा अन्य फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करवाया।

कृषक भरत बलराम जी ने मंथन ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति का आभार व्यक्त किया। कृषक भरत बलराम जी ने बताया कि इस सफलता का मुख्य कारण मंथन के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर खेत में आकर फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी देना एवं वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर फसल से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। मुझे अपनी इस सफलता पर खुशी है तथा इसका श्रेय मैं मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति तथा डी.बी.टी. द्वारा कृषकों के हित में लिए गए निर्णयों को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। भरत बलराम जी ने बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट के अधिकारी तथा अन्य सभी का धन्यवाद किया। किसान ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार से बायोटेक हब के माध्यम से कृषकों के साथ मिलकर ऐसे प्रोग्राम साझा किए जाते रहे तो सभी किसान भाई नई ऊंचाईयों को निश्चित रूप से छूने में सफल होंगे।